>

Title: Regarding the remarks made by Sh. Adhir Ranjan Chowdhury against the Finance Minister Smt. Nirmala Sitharaman.

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल): अध्यक्ष जी, अधीर रंजन चौधरी साहब ने पहले प्रधानमंत्री जी के लिए और हमारे गृह मंत्री जी के लिए जिन शब्दों का यूज किया है…(व्यवधान) उसके लिए इनको माफी मांगनी चाहिए…(व्यवधान) उसके बाद ही अधीर रंजन चौधरी साहब को बोलने का मौका दिया जाना चाहिए…(व्यवधान) पहले यह सदन में माफी मांगें ।…(व्यवधान) निर्मला सीतारमण जी के लिए भी इन्होंने जिस शब्द का प्रयोग किया…(व्यवधान) उसके लिए भी यह माफी मांगें ।…(व्यवधान)

श्रीमती पूनम महाजन (उत्तर मध्य मुम्बई): अध्यक्ष महोदय, जो महिलाओं का सम्मान नहीं रखते हैं, उनको बोलने का कोई हक नहीं है…(व्यवधान) मुझे आज बोलने दीजिए…(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं रूल नंबर 353 पर बोलना चाहती हूं…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : शून्य काल में नियम की बात न करें, आप अपनी बात बोलिए । पॉइंट ऑफ ऑर्डर की बात मत करें ।

…(व्यवधान)

श्रीमती पूनम महाजन: सर, कल पूरा सदन साथ में आया था…(व्यवधान) जब हैदराबाद में एक घटना घटी थी…(व्यवधान) हम सब आहत थे…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इसमें कोई पॉइंट ऑफ ऑर्डर की बात नहीं है । वह अपनी बात बोल रही हैं ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने किसी को पॉइंट ऑफ ऑर्डर के लिए अलाऊ नहीं किया है । आप भी बोल रहे हैं, इधर से भी बोल रहे हैं ।

...(व्यवधान)

श्रीमती पूनम महाजन : मुझे बोलने दीजिए...(व्यवधान) आप महिलाओं की सबलता देखिए, दुर्बलता मत देखिए...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, जब हम सब कल यहां सदन में खड़े थे...(व्यवधान) हैदराबाद में महिला पर जो अत्याचार हुआ था...(व्यवधान) उस पर सभी पार्टियां, सभी सांसद साथ में मिलकर खड़े थे...(व्यवधान) लेकिन कुछ ही समय बाद...(व्यवधान) जिनके नाम में धीर है, ऐसे अधीर रंजन जी के अपने धीर का बांध टूट गया...(व्यवधान) और हमारे देश की पहली महिला वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी के बारे में जिस प्रकार से उन्होंने टिप्पणी की...(व्यवधान) इसका मैं विरोध करती हूं...(व्यवधान) और कहती हूं कि यह सबसे बुरा हुआ है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, यह ऐसी सरकार है, जहां पर महिलाओं को सबसे ज्यादा मंत्री पद पर काम करने का मौका मिला है ।...(व्यवधान) सीसीएस में दो-दो महिलाएं प्रधान मंत्री जी के साथ हैं । आज दुख की बात यह है कि यह एक ऐसी पार्टी है ।...(व्यवधान) मैं रूल 352 और 353 के अंदर यह पूछना चाहती हूं कि these are derogatory words, defaming the womanhood. आप पेट्रिआर्की का माइंडसेट दिखाना चाहते हैं और हम सब इसका निषेध करते हैं । मैं इतना ही कहना चाहती हूं कि निर्बलता दिखाने के लिए एक पुरुष एक महिला से लड़ रहा था ।...(व्यवधान) लेकिन जिनके नाम में निर्मला है, उन्होंने निर्मलता से बताया है कि हम देश के लिए क्या काम कर रहे हैं और प्रधान मंत्री जी के लिए क्या काम कर रहे हैं ।...(व्यवधान)

मैं दादा से यह कहना चाहती हूं कि कांग्रेसी पार्टी कैसी है ।...(व्यवधान) दादा निर्बल तो आप हैं कि आप सिर्फ एक ही परिवार की महिला के लिए खड़े हैं और उसी महिला के सम्मान और उनकी सुरक्षा के लिए लड़ रहे हैं ।...

(व्यवधान) लेकिन आप देश की महिलाओं की सुरक्षा के लिए नहीं लड़ रहे हैं ।...(व्यवधान) दादा, निर्बल तो आप हैं कि ऐसी पार्टी जो देश के लिए नहीं काम कर रही है, सिर्फ परिवारवाद के लिए काम कर रही है । आप ऐसी पार्टी के साथ निर्बलता से खड़े हैं और परिवारवाद छोड़कर देश के हित के लिए काम नहीं कर रहे हैं । ऐसे निर्बल आप हैं ।...(व्यवधान) निर्बल आप हैं दादा कि देश के प्रधान मंत्री जी जो देशभक्त हैं, आप उनको... * कह रहे हैं ।...(व्यवधान) आप ऐसे निर्बल हैं । आपने देश का सम्मान नहीं अपमान किया है ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपको बोलने के लिए कहा है, तो आप बोलिए ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बोलिए, जो आप बोलना चाहते हैं ।

...(व्यवधान)

श्रीमती पूनम महाजन : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यही विनती करना चाहती हूं कि एक पुरुष की निर्बलता इससे भी दिखती है कि महिलाओं को...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : डॉ. किरिट पी. सोलंकी को श्रीमती पूनम महाजन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

12.13 hrs

(At this stage, Shri Adhir Ranjan Chowdhury and some other hon. Members left the House.)